वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 127 | सोमवार 4 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

शहरी-ग्रामीण ओलंपिक से प्रदेश में बना खेलों का माहौल: गहलोत

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि 2030 तक राजस्थान को खेल सहित सभी क्षेत्रों में देष का प्रथम राज्य बनाना हमारा ध्येय है। पिछले साल राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों में 30 लाख खिलाड़ियों ने पंजीकरण करवाया जिनमें 10 लाख महिला खिलाड़ी शामिल थीं। इस बार शहरी-ग्रामीण ओलंपिक खेलों में 58 लाख खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें 25 लाख महिला खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों के आयोजन से प्रदेश में खेलों का माहौल बना है। खेलों से एक स्वस्थ शरीर के साथ-साथ उत्कृष्ट व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इसके अलावा खिलाड़ियों में दूरदृष्टि एवं तत्काल निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित होती है। हार-जीत की चिंता ना करते हुए सभी लोगों को खेलों को अपनाना चाहिए। गहलोत रविवार को जोधपुर के उम्मेद राजकीय स्टेडियम में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेलों के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का अवलोकन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा को तराशा जाएगा तथा उन्हें अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं हेतु तैयार किया जाएगा। इसी दिशा में आउट ऑफ टर्न नियुक्ति, सरकारी नौकरियों में आरक्षण, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेता खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार राशि में कई गुना बढ़ोतरी, खेल मैदानों का विकास जैसे फैसले लिए गए हैं।

हर वर्ग हो रहा लाभान्वित

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राजस्थान सरकार की योजनाएं पूरे देश में चर्चा का विषय हैं एवं अन्य राज्य भी इनका अनुसरण कर रहे हैं। राज्य में ओपीएस बहाल करने, राइट टू हैल्थ, 25 लाख रुपए तक का नि:शुल्क इलाज, मिनिमिम इनकम गारंटी, गिग वर्कर्स एक्ट, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना जैसे नवाचार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 1 करोड़ लोगों को न्यूनतम 1 हजार रुपए सामाजिक सुरक्षा पेंशन, घरेलू उपभोक्ताओं को 100 एवं किसानों को 2000 यूनिट नि:शुल्क बिजली, 500 रुपए में गैस सिलेण्डर, नि:शुल्क अन्नपूर्णा राशन किट, महिलाओं को तीन साल के इंटरनेट डेटायुक्त नि:शुल्क स्मार्टफोन, ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, पालनहार योजना के अंतर्गत लगभग 6 लाख बच्चों को आर्थिक सहायता, 3 लाख सरकारी नौकरियां, मेगा जॉब फेयर जैसे निर्णयों से हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है।

शिक्षा में राजस्थान अग्रणी

गहलोत ने कहा कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। हमारी सरकार के कार्यकाल में अब तक 303 महाविद्यालय खोले जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अंग्रेजी माध्यम राजकीय विद्यालयों के माध्यम से वंचित तबके के विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 500 विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए विदेश भेजा जा रहा है। डॉ. अंबेडकर को बडौदा के महाराजा द्वारा पढ़ाई के लिए विदेश भेजा गया था। वे वहां से लौटकर कानूनविद एवं संविधान निमार्ता बने। इसी प्रकार ये 500 बच्चे विदेश से लौटकर देश-प्रदेश के विकास में अपना योगदान देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के निर्णयों से जोधपुर का अभूतपूर्व विकास सुनिश्चित हुआ है। आईआईटी, एम्स, लॉ यूनिवर्सिटी, आयुर्वेदिक यूनिवर्सिटी, फिनटेक इंस्टीट्यूट जैसे संस्थानों की स्थापना से क्षेत्र के शैक्षिक विकास को गति मिली है। उन्होंने कहा कि मंडोर के कायाकल्प से पर्यटकों का आवागमन बढ़ा है। क्षेत्र में हुए विकास कार्यों से आज जोधपुर अपनी अभावग्रस्त पहचान पीछे छोडकर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रस्साकसी के जिला स्तरीय फाइनल

मैच का अवलोकन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा विजेता खिलाड़ियों-टीमों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के दौरान राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। सुपरिणीती विश्नोई द्वारा योग प्रदर्शन भी किया गया। शिक्षा मंत्री डॉ बी डी कल्ला ने कहा कि शहरी-ग्रामीण ओलंपिक खेलों में कई पीढियां एक साथ खेल रही हैं। इन खेलों से प्रदेश में एक नई खेल संस्कृति विकसित हो रही है। इस दौरान राज्य पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह सोलंकी, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष संगीता बेनीवाल, आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत, विधायक मनीषा पंवार, महेन्द्र विश्नोई, जोधपुर उत्तर महापौर कुंती देवडा परिहार, रीको निदेशक सुनील परिहार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी व आमजन उपस्थित रहे।

राजस्थान जैन युवा महासभा का शपथ-ग्रहण समारोह

300 युवाओं ने एक साथ ली समाज सेवा की शपथ समाज सेवी राजीव जैन गाजियाबाद को किया जैन रत्न से सम्मानित

जयपुर । जैन युवा एवं महिला मण्डलों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में रविवार 3 सितम्बर को जयपुर महानगर में 15 नवगठित जोनो का शपथग्रहण समारोह, स्नेह मिलन एवं सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि भट्टारक जी की नसियां के तोतूका सभागार में आयोजित समारोह में नन्द किशोर- शांता देवी पहाड़िया, प्रमोद -नीना पहाड़ियां, सुनील -निशा पहाड़ियां परम संरक्षक थे। मुख्य अतिथि अशोक - शकुन्तला , अंकित चांदवाड तथा समारोह अध्यक्ष उमराव मल -कुसुम संघी थे । सी पी पहाड़ियां -रीना पहाड़ियां चित्र अनावरणकर्ता थे। राजीव -सीमा जैन गाजियाबाद ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रुप में शांति कुमार -ममता सोगानी, अनिल -उमा दीवान, सुरेश -ललिता सबलावत, पन्ना लाल,ऋषभ -कविता सेठी रामगंजमंडी वाले, राजेश - अनिता रावकां तथा संजय -संजना बड़जात्या कामां वाले उपस्थित रहे। इस मौके पर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल, एडवोकेट सुधीर जैन, अनिल जैन, सुरेन्द्र पाण्डया, ज्योति खण्डेलवाल, शरद खण्डेलवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। मंगलाचरण के बाद प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ने स्वागत उदबोधन दिया। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मुख्य समन्वयक मनीष बैद एवं मुख्य संयोजक कमल सरावगी ने बताया कि कार्यक्रम में 15 जोनो के 300 पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ ग्रहण करवाई गई। युवा समाजसेवी राजीव जैन गाजियाबाद को जैन युवा रत्न सम्मान से नवाजा गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद बम्पर एवं रौचक हाऊजी खिलाई गई। समारोह में 11 लक्की ड्रा निकाले गये। मंच संचालन विनोद जैन कोटखावदा, मनीष बैद, राकेश गोधा ने किया।

धर्म का कोई चौकीदार नहीं: आचार्य विहर्ष सागर

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

इंदौर। बड़ा गणपति स्थित मोदी जी की नसिया में आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ने अपनी मंगल देशना में बताया कि तत्व सात होते हैं। जीव, अजीव, आश्रव, बंध, संवर, निर्जरा और मोक्ष। आत्मा एक जीव है, शरीर एक अजीव है। जीव और अजीव पुदगल के मिलने से आश्रव उत्पन्न होता है। एक अकेलाव्यक्ति कभी बड़ा पाप नहीं कर सकता। जो व्यक्ति अकेले धर्म कर लेता है वह भगवान आत्मा बन जाता है। इस शरीर को ढकने के लिए नए-नए कपड़े चाहिए, शरीर से पेट जुड़ा हुआ है, इसलिए पेट भरने के लिए खाने पीने की जरूरत पड़ती है। जब-जब भी हम नियम तोड़ते हैं तब आश्रव होता है। हम किसी भी भगवान आदिनाथ के भक्त हो, चाहे पारसनाथ के , कर्मों को रोकने का प्रयास तो हमें स्वयं ही करना पड़ेगा। नियम तोड़ने से आत्मा को दोष लग जाता है। हमारी अज्ञानता में धर्म बदनाम होता है। धर्म का कोई चौकीदार नहीं है, इसलिए हमें डर नहीं है, हम पाप करने से डरते नहीं है। बाहर के बने पदार्थ पीजा बर्गर मोमोज, ब्रेड, मैगी यह हमारे धर्म को भ्रष्ट कर रहे हैं, क्योंकि हम अपना विवेक का उपयोग नहीं करते। संवर सहित करो तप प्राणी, मिले मुक्ति रानी इस दुल्हन की यही सहेली, जाने सब ज्ञानी आगे गुरु देव कहते हैं सत्कार सम्मान सभी का करो, संग्रह किसी का मत करो। अपने आप पर निर्भर रहो, जब जब व्यक्ति लूटा है अपने खास लोगों ने ही उसे लूटा है। मंगलाचरण भिंड से पधारे रोबिन जैन संगीतकार ने किया। मंच पर मुनि श्री विजयेश सागर, मुनि श्री विश्व हर्ष सागर जी महाराज, बाल ब्र. नीतू दीदी, रीना दीदी प्रियंका दीदी भी मौजूद थी। फेडरेशन के प्रचार प्रमुख राजेश जैन दद्दू ने बताया कि प्रत्येक दिन बाहर के भक्तजन बड़ी संख्या में पधार रहे हैं।

दोनो पार्टियों के नेता एक जाजम पर

ब्राह्मण महासंगम ने तोड़े सारे रिकॉर्ड। रामनिवास बाग में भरी हुंकार। 14 प्रतिशत आरक्षण के लिए इकट्ठा हुए जयपुर में लाखों ब्राह्मण

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज जयपुर में ब्राह्मण समाज ने अपनी ताकत दिखाई। लाखो ब्राह्मण प्रदेश भर से आये। एक ही नारा जय परशुराम जय परशुराम के नारे लगे। राजनीति पार्टियों के प्रमुख नेता ब्राह्मण महासंगम में हुए शामिल। स्वस्तिवाचन और शंखनाद से प्रारम्भ हुये इस ब्राह्मण महासंगम में जनसैलाब उमडा। ब्राह्मण महासंगम जयपुर में एक ऐतिहासिक आयोजन रहा। इस समारोह में घंटे-घडियाल बजाते हुए और धोती कुर्ता पहने हुए ब्राह्मण समाज के लोगों ने शिरकत की। इस आयोजन में ब्राह्मणों ने अपनी हुंकार भरते हुए 14 प्रतिशत आरक्षण की मांग केंद्र और राज्य सरकार से रखी। ईडब्ल्यूएस आरक्षण में हो रही विसंगतियों को दूर करने और आय सीमा को बढ़ाने की पुरजोर मांग समाज ने रखी। साथ ही मंदिर मठों पर सरकारी नियंत्रण खत्म कर ट्रस्ट व कमेटियों को देने की मांग की। इसके अतिरिक्त अन्य मांगे भी रखी गई । इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय स्तर पर विप्र कल्याण बोर्ड बनाने की मांग भी पुरजोर उठी। वक्ताओं ने समाज को एकजुट होकर काम करने की बात कही। सभी का एक ही नारा था विश्व को दिशा देने वाला ब्राह्मण अब अपने हितो के लिए संगठित होना चाहिए। आज पुरे देश में ब्राह्मण समाज की आबादी करीब 15 करोड़ है। इस आबादी को राजनीतिक रूप से सामाजिक रूप से और आर्थिक रूप से आगे बढना देश के हित में है और कोई राजनीतिक पार्टी इस समाज को नजरअंदाज नहीं कर सकती। ब्राह्मण सबको दिशा देता आया है। उसे अपने अधिकारों के लिए संगठित रहना चाहिए। कार्यक्रम का प्रारम्भ प्रात 8:00 बजे त्रिपोलिया गेट से 11000 महिलाओं की कलश यात्रा से हुआ। रास्ते में महिलाओं पर पुष्प वर्षा हो रही थी और चारो तरफ ब्राह्मण एकता के जिन्दाबाद के नारे लग रहे थे। महिलाओं का रामनिवास बाग पर पहुंचने पर प्रातः 10:15 बजे कार्यक्रम शंखनाद और स्वस्तिवाचन से प्रारम्भ हुआ। जयपुर शहर में पहली बार रामनिवास बाग में इतना विहंगम दृश्य देखने को मिला कि लाखो ब्राह्मण एक साथ नाचते गाते ढोल नगाड़े के साथ कार्यक्रम में प्रदेश के अलग अलग जिलों से सम्मिलित हुये। इस पुरे कार्यक्रम को एक करोड़ लोगों ने लिंक के माध्यम से देखा, ये अपने आप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनेगा कि किसी समाज के इतने व्यक्ति एक साथ एक कार्यक्रम में जुड़े। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार से सांसद रमेश पोखरियाल निशंक ने संबोधित करते हुए कहा है कि ब्राह्मण सभी समाजों को साथ लेकर चलता है। अब उसे अपने संस्कारों के बल पर आगे बढ़ना चाहिए। समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि ब्राह्मण समाज सहित आरक्षण से वंचित जातियों के लिए 14 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान पहली बार वर्ष 2003 में हुआ था। लगभग 20 वर्षो से सर्व ब्राह्मण महासभा ने इस आरक्षण की लडाई लड रहे है। मैं वर्ष 2003 में जब कैबिनेट मंत्री था जब भी समाज के साथ था और आज भी समाज के साथ हूं। इस अवसर पर जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने कहा कि ब्राह्मण महासंगम समाज को एकजुट करने का काम कर रहा है। इसमें सभी समाजों के घटक सम्मिलित हुये है। साथ ही देश के प्रधानमंत्री 10 प्रतिशत आरक्षण ईडब्ल्यूएस के लिये दिया है। मैं समाज के साथ 14 प्रतिशत आरक्षण देने की पैरवी करूंगा। इस अवसर पर जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी ने सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा किये गये कार्यो की भूरी भूरी प्रशंसा की और कहा कि मैं दावे से कह सकता हूं कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण के लिए सुरेश मिश्रा ने जो संघर्ष किया है उतना संघर्ष किसी ने भी नहीं किया है। मैं इस आंदोलन का जनक पं. सुरेश मिश्रा को मानता हूं और राज्य सरकार से 14 प्रतिशत आरक्षण के लिए बात आगे बढाउंगा।

35-35 टिकट दोनों पार्टी ब्राह्मणों को दे। ब्राह्मण सभी जातियों का सम्मान करता है। 50 हजार महिलाएं पहली बार एक साथ एकत्रित हुई

समारोह में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा द्वारा दिये गये शुभकामना संदेश को विधायक रामलाल शर्मा ने पढकर सुनाया कहा है कि मंदिर मठो पर सरकारी नियंत्रण नहीं होना चाहिए। साथ ही मैं पं. सुरेश मिश्रा के संघर्ष को और आरक्षण आंदोलन को नजदीक से देख रहा हूं। मैं पूरी तरह से इस मुद्दे पर समाज के साथ हूं। शर्मा ने कहा है कि जब मैं अपने विधानसभा क्षेत्र से कार्यक्रम स्थल पर आ रहा था तो सीकर रोड से एमआई रोड, रामनिवास बाग पर पूरा शहर ब्राह्मण महासंगम द्वारा जाम मिला और हजारो गाडियां सडको पर ही खडी हुइ हैं। यह सिद्ध करता है कि ब्राह्मण महासंगम का जो संदेश एकजुटता का जाना था वो जा चुका है। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि इस 14 प्रतिशत आरक्षण के लिये हमने लाठिया खाई है, जेल गये है और दो दशकों तक सडको पर संघर्ष किया है। इसके लिये अब हम सबको मिलकर सामूहिक रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है। आज देश की दोनों राजनीतिक पार्टियों के राजनेता मंच पर है। मैं आपसे हाथ जोडकर निवेदन करता हूं कि ब्राह्मण बच्चो के भविष्य के लिए इस आरक्षण को 14 प्रतिशत करवाने के लिये प्रयास करें। इस अवसर पर विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा ने कहा कि जब से बोर्ड की स्थापना हुई है, हम लगातार सतत प्रयास कर रहे है कि समाज को किसी प्रकार की तकलीफ नहीं आये और इसके लिये बहुत सारे कार्य किये जा चुके है और आगे भी प्रस्तावित है। इस अवसर पर समाज कल्याण बोर्ड के चैयरमेन श्रीमती अर्चना शर्मा ने कहा कि 2 महिने से इस समारोह की तैयारी चल रही थी और हम सबने एक विहंगम दृश्य देखा है। मैं समाज की हर जायज मांग के साथ हूं। कार्यक्रम का स्वागत भाषण संरक्षक देवीशंकर शर्मा ने किया। इस अवसर पर खादी ग्रामोद्योग के चेयरमैन बृजकिशोर शर्मा, कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व चेयरमैन हरिप्रसाद शर्मा, महिला आयोग की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता शर्मा, संरक्षक देवीशंकर शर्मा, फिल्म निमार्ता निदेशक पद्मश्री डॉ. मधुर भंडारकर, फिल्म गदर के निमार्ता निदेशक अनिल शर्मा, पूर्व महिला आयोग की अध्यक्ष सुमन शर्मा, डीआईजी क्राईम जगदीश प्रसाद शर्मा, विप्र महासभा के प्रदेशाध्यक्ष सुनिल उदईया, श्री परशुराम सेना के अध्यक्ष एडवोकेट अनिल चतुवेर्दी, हरियाणा ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचंद शर्मा, परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश रहेजा, खाण्डल समाज के प्रदेशाध्यक्ष अनिल शर्मा खाण्डल,एडवोकेट एच.सी. गणेशिया, गोविन्द पारीक, बी.पी. शर्मा, बी.एम. शर्मा, डॉ. संगम मिश्रा, श्रीमती सविता शर्मा, आशीष दवे सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित करते हुये ऐसा नजारा जयपुर के किसी भी सामाजिक संगठन के कार्यक्रम में नहीं देखने को नहीं मिला। इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये फिल्म निर्माता निदेशक मधुर भंडारकर एवं अनिल शर्मा ने कहा कि आज तक वो कभी किसी भी सामाजिक कार्यक्रम में नहीं गये । लेकिन पं. सुरेश मिश्रा का प्यार हमें यहां खिंच लाया। इस अवसर पर 5 विभूतियों को समाज की ओर से ब्राह्मण शिरोमणि सम्मान से सम्मानित भी किया गया। जिसमें मधुर भंडारक, अनिल शर्मा, कनाडा से आये डॉ. आजाद कौशिक, लंदन से आये डॉ. आलोक शर्मा, दुबई से आये नवीन शर्मा, अमेरिका से इन्द्रजीत शर्मा का सम्मान फरसा व भगवान परशुराम जी का चित्र भेंट किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने अपने संदेश में इस विराट ब्राह्मण महासंगम मे कहा है कि ये अदभूत नजारा है। जिसमें इतनी बडी संख्या में ब्राह्मण समाज एकत्रित हुआ हैं। मुझे इस कार्यक्रम में आना था, लेकिन मुझे आवश्यक कार्य होने के कारण मै आ नहीं पाया। इस अवसर पर जयपुर के सभी प्रमुख मंदिरों के संत-महंत भी उपस्थित थे। जिसमें प्रमुख रूप से महामंडलेश्वर बालमुकुंद आचार्य, महामण्डलेश्वर मनोहर दास महाराज, गोविन्द देव जी मंदिर के मानस गोस्वामी, उदासीन आश्रम के प्रधुम्न पुरी गोस्वामी, पं. पुरुषोत्तम गौड, पं. मुकेश भारद्वाज सहित लगभग 100 से अधिक संत महंत उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

अहंकार पतन का कारण

जंगल के दूसरे किनारे जाती मक्खी को उसी दिशा में अग्रसर एक हाथी दिखा। वह उसके कान पर सवार हो गई। गंतव्य पर पहुंचने पर उसने साथ निभाने और सफर को खुशनुमा बनाने के लिए हाथी को कोटि-कोटि आभार जताया तो हाथी को कान में गुंजन सी महसूस हुई। मक्खी अपने रास्ते चली गई। अहंकार से सराबोर व्यक्ति भी उस मक्खी की भांति अपनी छोटी सी दुनिया को संपूर्ण सृष्टि मान कर आजीवन भ्रम में जीता है। दूसरों के कष्टों, जरूरतों और हर्षोल्लास का उसे अहसास नहीं होता और उनके कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने में वह असमर्थ होता है। सीमित सोच के कारण उसके हृदय में आनंद, उत्साह, प्रेम और शांति के भाव नहीं फूटते। अहंकारी अपने कार्य या निर्णय को सही ठहराने में कोई कसर नहीं छोड़ता, झुकने से उसकी शान घटती है। उसे नहीं कौंधता कि गलती करने पर क्षमायाचना से उसका गलत या दूसरे का सही होना सिद्ध नहीं होता, बल्कि आपसी संबंध सुदृढ़ होते हैं। अपनी बड़ाई सुनते वह नहीं अघाता। उसकी बातें 'मैं' से शुरू हो कर 'मैं' से विस्तार पाती और मैं पर खत्म होती हैं। अपने यांत्रिक आचरण और व्यवहार से अहंकारी व्यक्ति के परिजनों, सहकर्मियों व अन्य साथियों से संबंध होते भी हैं तो केवल सतही। उनमें अंतरंगता या प्रगाढ़ता नहीं होती। किसी से उसे सरोकार रहता है तो उसी हद तक जहां तक निजी स्वार्थ सधते हों। वह किसी को सम्मान नहीं देता, इसीलिए सम्मान पाने का अधिकार खो देता है। दिखावटी प्रतिष्ठा पर इतराता ऐसा व्यक्ति लोगों से अलग-थलग पड़ जाता है और उनकी हार्दिक दुआओं से वंचित रहता है। अहंकार ही शक्तिशाली रावण, दानवीर कर्ण सरीखी विभूतियों के विनाश का कारण बना। जो सच्चे ज्ञानी होते हैं उन्हें अपने ज्ञान पर अहंकार नहीं होता चूंकि उन्हें अपने अज्ञान का पता रहता है। मूर्ख या अहंकारी को अपने सिवा प्रत्येक व्यक्ति में खोट दिखते रहते हैं। जितना तुच्छ बुद्धि उतना अधिक अहंकार। उसका नाम गूगल न हो तो भी वह सब कुछ जानने का स्वांग करता है। कब्रिस्तान के बाहर लिखी यह इबारत उसके पल्ले नहीं पड़ती, सैकड़ों दफन हैं यहां जो सोचते थे कि दुनिया उनके बिना नहीं चल सकती। अहंकार दैविक विधान के प्रतिकूल है, आत्मघाती है, व्यक्ति के पतन का कारण है।

संपादकीय

भत्ते में बढ़ोतरी का प्रस्ताव सवालों के घेरे में

जन प्रतिनिधियों को मिलने वाले वेतन-भत्ते और दूसरे खर्चों के मद में बढ़ोतरी मुख्य रूप से महंगाई को ध्यान में रख कर की जाती है। यह अलग बात है कि इसका आकलन और निर्धारण खुद जनप्रतिनिधि ही करते हैं। मगर कई बार यह बढ़ोतरी इतनी अतार्किक हो जाती है कि उसकी तरफ स्वाभाविक ही अंगुलियां उठने लगती हैं। दिल्ली नगर निगम में पार्षदों के मासिक और बैठक भत्ते में बढ़ोतरी का प्रस्ताव कुछ वैसा ही है। नगर निगम ने पार्षदों का मासिक भत्ता तीन हजार रुपए से बढ़ा कर एक लाख रुपए और बैठक भत्ता तीन सौ रुपए से बढ़ा कर पच्चीस हजार रुपए करने का प्रस्ताव पारित कर दिया है। हालांकि उन्हें भत्ते के रूप में मिलने वाली मौजूदा राशि आज के समय में बहुत कम कही जा सकती है। तीन हजार रुपए महीने में तो आजकल किसी विद्यार्थी का भी खर्चा नहीं चल पाता। तीन सौ रुपए में कई लोगों का जेबखर्च नहीं चलता। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इनमें बढ़ोतरी की मांग वाजिब थी। मगर तीन सौ रुपए से बढ़ा कर एकदम से पच्चीस हजार रुपए कर देने को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। इस बढ़ोतरी पर दिल्ली की महापौर का कहना है कि चूंकि निगम पार्षदों को कोई वेतन नहीं मिलता, उन्हें भत्ता दिया जाता है, इसलिए इतने भत्ते में उनका खर्च नहीं चल पाता। यह पहला मौका नहीं है, जब आम आदमी पार्टी को अपने जनप्रतिनिधियों के वेतन और भत्ते बढ़ाने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। जब पहली बार दिल्ली में विधायकों के वेतन और भत्तों में बढ़ोतरी की गई थी, तब भी सवाल उठे थे। तब मुख्यमंत्री का कहना था कि विधायकों को चूंकि अपने दफ्तर का खर्च भी उठाना पड़ता है, सैकड़ों लोग उनके दफ्तरों में रोज आते हैं, उन्हें चाय-पानी पिलाने आदि पर खर्च करना पड़ता है, उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र में लगातार लोगों से संपर्क करना पड़ता है और इन सबमें काफी खर्च आता है। महंगाई बढ़ने से उनके वेतन और भत्तों से वह खर्च पूरा नहीं हो पाता। फिर उन्होंने यह भी तर्क दिया था कि दूसरे दलों के विधायक चूंकि दूसरे तरीकों से अपने खर्चे जुटा लेते हैं, आम आदमी पार्टी के विधायक उन्हीं पैसों से खर्च चलाते हैं, जो उन्हें सरकार देती है। यही तर्क पार्षदों के मामले में भी दिया जा सकता है। मगर यह सवाल फिर भी बना रहेगा कि क्या जनप्रतिनिधियों के वेतन और भत्तों में बढ़ोतरी से भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिल सकती है। इस बढ़ोतरी से यह भी सवाल उठता है कि आखिर अब तक इसमें बढ़ोतरी की मांग क्यों नहीं उठी और कैसे पार्षद तीन हजार रुपए मासिक और तीन सौ रुपए प्रति बैठक भत्ते से अपने खर्च चलाया करते थे। दिल्ली नगर निगम में अक्सर अनियमितताओं की शिकायतें आती रहती हैं। बहुत सारे काम चूंकि ठेके पर होते हैं, इसलिए उनमें कमीशनखोरी भी जगजाहिर है। ऐसे में शायद पार्षदों को सरकार से मिलने वाले भत्ते की कम राशि से कोई फर्क न पड़ता रहा हो। मगर आम आदमी पार्टी इनमें बढ़ोतरी करके अनियमितताओं पर रोक लगाने का दावा कैसे कर सकती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

हिंसा और अराजकता

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं में छह लोगों के मारे जाने और कई अन्य के घायल हो जाने से साफ है कि तमाम कवायदों के बावजूद सरकार वहां शांति स्थापित कर पाने में नाकाम है। वहां हिंसा शुरू हुए करीब चार महीने हो गए हैं और इस बीच पुलिस से लेकर सेना तक का सहारा लेकर टकराव में शामिल गुटों को काबू में करने की कोशिशें जारी हैं। मगर आज भी वहां जैसे हालात हैं, उसके मद्देनजर सरकार को कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। गौरतलब है कि मणिपुर में गुरुवार को चुराचांदपुर-बिष्णुपुर सीमा पर दो गुटों की गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई। चुराचांदपुर कुकी-जोमी बहुल इलाका है और बिष्णुपुर में ज्यादातर आबादी मैतेई समुदाय की है। ताजा संघर्ष में मारे गए लोगों में वहां के एक लोकप्रिय गीतकार की भी जान चली गई। मंगलवार से अब तक गोलीबारी में कुल नौ लोग मारे जा चुके हैं। इन घटनाओं के बाद एक रिवायत की तरह पुलिस की ओर से फिर यही कहा गया है कि हिंसाग्रस्त इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सवाल है कि इतने लंबे संघर्ष और इसमें शामिल समूहों के चिह्नित होने के बावजूद सरकार और प्रशासन हिंसा और अराजकता को रोकने के मामले में क्यों लाचार दिख रही है! विडंबना है कि इस मसले पर उच्चतम न्यायालय सरकार को हिदायत दे चुका है कि वह हिंसा पर लगाम लगाने और शांति कायम करने के लिए ठोस कदम उठाए, जरूरी कार्रवाई करे। उसकी तरफ से गठित निगरानी समिति मणिपुर में काम शुरू कर चुकी है। मगर इससे अफसोसनाक और क्या होगा कि इसके बावजूद वहां के कई इलाके अब भी अशांत हैं। हालांकि राज्य सरकार स्थिति को नियंत्रण में कर लेने का भरोसा जता रही है, लेकिन पिछले कई महीने से जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, उससे साफ है कि हिंसा को रोक पाने में वहां की पुलिस व्यापक पैमाने पर नाकाम साबित हुई है। यह बेवजह नहीं है कि जिन इलाकों में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव अधिक था और उससे निपटना एक जटिल चुनौती थी, वहां हालात पर काबू पाने के लिए सेना को भी उतारा गया। पर ऐसा लगता है कि इस समस्या से उपजी चिंता गहराती जा रही है। गौरतलब है कि बीती मई की शुरूआत में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने के मसले पर शुरू हुए विरोध के बाद हिंसा भड़क गई और उसका दायरा फैलता चला गया। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष में लगभग दो सौ लोगों की जान जा चुकी है और सैकड़ों घायल हुए हैं। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से शांति समिति का भी गठन किया गया था। मगर अब भी दोनों समुदायों के बीच हिंसा को रोक पाना संभव क्यों नहीं हो सका है। दूसरी ओर, यह स्थिति भी पैदा हुई कि कुकी समुदाय की ओर से अपनी उपेक्षा को कारण बताते हुए स्वायत्त प्रशासन की मांग उठाई गई। फिलहाल सबसे प्राथमिक कदम यह होना चाहिए कि सरकार हिंसा और टकराव को रोकने के साथ ही इसमें शामिल सभी पक्षों से बातचीत का हर संभव कदम उठाए, क्योंकि समस्या चाहे जितनी भी जटिल हो, उसका समाधान आखिरी तौर पर संवाद से ही निकलेगा।

कवि हरीश शर्मा, आकाश झुरिया व कुलदीप भार्गव हुए जयपुर रत्न सम्मान से हुए सम्मानित

कार्यक्रम में कला, संस्कृति, शिक्षा, समाजसेवा और खेल क्षेत्र की 101 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। शक्ति फिल्म फाउंडेशन की ओर से प्रतापनगर के निर्मला ऑडिटोरियम में शनिवार को जयपुर रत्न सम्मान समारोह 2023 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भगवती एवं गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस समारोह में कत्थक कलाकार,सितार वादक, गजल, लोकगीत व राजस्थानी नृत्य के द्वारा राजस्थान की सभ्यता और संस्कृति को प्रदर्शित किया गया। जयपुर रत्न सम्मान समारोह की आयोजक अंबालिका शास्त्री ने बताया कि इस समारोह में मानव

जीवन के विभिन्न क्षेत्रों समाजसेवा, शिक्षा, कला, संस्कृति, खेल कूद, कत्थक कलाकार, लोक कलाकार, राजनीती, चिकित्सा, प्रशासनिक सेवा, उद्योग व्यापार आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित करने वाली 101 हस्तियों को जयपुर रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में लक्ष्मणगढ़ के विख्यात कवि, बेटा पढ़ाओ- संस्कार सिखाओ अभियान के संयोजक, अध्यक्ष एवं युवा पत्रकार संघ के अध्यक्ष हरीश शर्मा, सह-संयोजक व युवा पत्रकार संघ के कोषाध्यक्ष आकाश झुरिया एवं अभियान के सक्रिय सदस्य व यूनियन डायरेक्टर ऑफ आरजे स्टेट बोर्ड अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं श्री श्याम सेवक परिवार संस्था के अध्यक्ष कुलदीप भार्गव को ''जयपुर रत्न सम्मान 2023'' से सम्मानित गया। समारोह में जयपुर की पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल, सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर सुरभि गुप्ता, शिव जेवेल्लेर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर हुकम सिंह कुंपावत, सोशल एक्टिविस्ट पूनम खांगारोत, रावत ग्रुप से नरेंद्र रावत, एस बी सिंह, नरेंद्र सामोता, एडवोकेट रूचि सेठी, अंकुर सिहाग, मनीष सोलंकी, मिस्टर इंडिया करमजीत सिंह सोनी, आशीष शर्मा, पृथ्वीपाल सिंह, अवतार सिंह, मिनाक्षी राठौर, ब्रजेश पाठक,कोणार्क जैन अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

पुण्य स्मरण दिवस पर भिक्षु केन्द्र में भोजन कराया गया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नेमीनाथ ग्रेटर के तत्वाधान में फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष, समाज शिरोमणि ,जैन रत्न श्रध्देय स्व. प्रदीप सिंह कासलीवाल की तृतीय पुण्य तिथि पर नेमीनाथ ग्रेटर ग्रुप द्वारा प्रथम दिवस भिक्षावृत्ति केन्द्र परदेशीपुरा में निवासरत 101 महिला एवं पुरषों को भोजन कराया गया । सेवा कार्य- समाज सेवा के अंतर्गत निःशुल्क भोजन वितरण कर श्रध्देय स्व. प्रदीप सिंह कासलीवाल के प्रति भावभीनी श्रधांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नेमीनाथ ग्रेटर सोशल ग्रुप के पदाधिकारी प्रदीप गंगवाल अध्यक्ष, राजेश जैन दद्दू सचिव, राजेन्द्र सोगानी, ओपी सिघंई, मुकेश उड़ान, डॉ शरद जैन एवं अनेक सदस्य उपस्थित हुए।

सम्मेद शिखर तीर्थ वंदना हेतु 400 यात्रियों का रेल द्वारा गया एक जत्था

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे से आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी की पावन प्रेरणा एवं मंगलमय आशीर्वाद से अग्रवाल युवा परिषद फागी एवं अग्रवाल समाज फागी के तत्वाधान में श्री सम्मेद शिखर तीर्थ वंदना हेतु हर वर्ष की भांति आज रेल द्वारा 11वीं बार 400 श्रद्धालुओं का एक जत्था वंदना हेतु रवाना हुआ। अग्रवाल परिषद के अध्यक्ष सुशील कलवाड़ा , महामंत्री मुकेश गिंदोडी ने बताया कि यह यात्रा आज जयपुर से रेल द्वारा प्रस्थान कर 9 सितंबर 2023को वापस फागी पहुंचेगी। कार्यक्रम के संरक्षक शिखर चंद पीपलू ने बताया आज यात्रियों ने गुणस्थली चकवाडा में समाधिस्थ मुनिवर्य गुण सागर जी महाराज के दर्शन कर यात्रा को सफल बनाने हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी से मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त उक्त यात्रियों का दल पांच बसों एवं छोटे साधनों से कारों या अन्य साधनों के द्वारा जयपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा जहां समाज के काफी श्रावक श्राविकाओं ने सभी यात्रियों का माल्यार्पण स्वागत किया। राजा बाबू गोधा ने अवगत कराया कि उक्त समय फागी समाज के समाजसेवी सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर प्रसाद झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, त्रिलोक पीपलू सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने सभी यात्रियों को तिलक लगाकर, माला पहनाकर सम्मान कर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और यात्रियों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दी।

64 रिद्धि विधान में इंद्र एवं इंद्राणियों ने किए अर्घ्य समर्पित

6 सितम्बर को आर्यिका ससंघ के के सानिध्य में होगा समापन

टोंक. शाबाश इंडिया। शहर के बीचो-बीच बड़ा तख्ता जैन मंदिर में चल रहे 64 रिद्धि विधान की पूजा बड़े भक्ति भाव एवं भक्ति नृत्य के साथ समापन की ओर चल रहे हैं।जिसका भव्य समापन बुधवार को होगा इस विधान अलग-अलग परिवारों द्वारा आयोजित किया जा रहे हैं और विधान भी हर दिन अलग-अलग रचना की जा रही है। जिसके तहत शनिवार को पदमपुर पदयात्रा संघ (सम्मेद शिखरजी) के द्वारा पूजा अर्चना करके 100 अर्घ भगवान के समक्ष बाल ब्रह्मचारी विनोद भैया जबलपुर एवं विधान संयोजक संयोजक पारस सर्राफ के सानिध्य में समर्पित किए गए। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान व कमल सर्राफ ने बताया कि 4 जुलाई से शुरू हुए 64 रिद्धि विधान का समापन 6 सितंबर को अनेक कार्यक्रमों के साथ संपन्न होगा । इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने प्रात काल की बेला में अभिषेक शांतिधारा के पश्चात चौबीसों भगवान, आचार्य, मुनि, व आर्यिका के अर्घ समर्पित किए गए तत्पाशत विधान में इंद्र इंद्राणी द्वारा पूजा अर्चना की गई और विनोद भैया के मधुर वाणीके भजनो से रानी कांटान, चंद्रेश देवली, सीमा देवली, पदमा- ममता-अनिता छामुनिया, मनीषा फागी, अर्चना-सुनीता -संगीता आड़रा, मधु, आदि महिलाओं ने रंगमा रंगमा, केसरिया केसरिया, पारसनाथजी के जयकारों से मधुबन गूंजा, हर साल बुलाना मुझे बाबा, आदि भजनों पर महिलाओं में जमकर भक्ति नृत्य किया। इस मौके पर समाज के राजकुमार छामुनिया, पदम कटान, सुनील आड़रा, मोनू छामुनिया, मनोज फागी, हुकुम देवली, राजेश हाड़ीगाव, राजेश बोरदा, सुनिल आड़रा, सुनिल बोरदा, रमेश गोटा, संदीप दवेली, नवीन आदि लोग उपस्थित रहे ।

जयपुर रत्न से सम्मानित हुए धीरज सुथार

जयपुर/डूंगरपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में शनिवार को जयपुर सम्मान समारोह के सीजन 4 का आयोजन किया गया जिसमें वागड़ के धीरज सुथार को जयपुर रत्न से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनको साहित्य,लेखन, युवा वक्ता और सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए दिया गया। धीरज को अब तक साहित्य,वक्ता और सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में दर्जनों पुरस्कार मिल चुके हैं। जिनमें प्रमुख है साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 15 अगस्त 2021 को उपखण्ड स्तर पर सम्मानित,काव्य श्री साहित्य सम्मान-लखनऊ,शब्द साधना अलंकरण,श्री विश्वकर्मा मेवाड़ा सुथार समाज विकास संस्थान द्वारा ''समाज गौरव'' सम्मान,श्री विश्वकर्मा मेवाड़ा सुथार समाज विकास संस्थान,वागड़ द्वारा 'विश्वकर्मा समाज गौरव' सम्मान,राजस्थान पत्रिका, डूँगरपुर,वागड विभा साहित्यिक संस्थान,भारत विकास परिषद्, वंदेमातरम् शाखा, डूँगरपुर ओर कई साहित्यिक समूह ओर संस्थाओं द्वारा सम्मानित, शारदपुत्र उपाधि से सम्मानित- मधुशाला साहित्यक समुह द्वारा आशुभाषण ओर वाद विवाद प्रतियोगिता में ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान,आशुभाषण प्रतियोगिता में जिला स्तर पर तृतीय स्थान,कवि सम्मेलन के मंचो पर ओर सामाजिक मंचो पर काव्यपाठ,राष्ट्रीय पत्रिकाओं में अपनी रचनाओं का प्रकाशन, डिजिटल यूथ कल्चर फेस्टिवल 2020-विचार मंच में प्रथम स्थान,खड 247 न्यूज चैनल के आपणो राजस्थान कार्यक्रम में काव्यपाठ,नेहरु युवा केंद्र, डुंगरपुर द्वारा आयोजित कविता प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम,नेहरु युवा केंद्र, डुंगरपुर द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 'युवा संवाद' में विजेता,जिला स्तरीय युवा उत्सव 2023 में कविता लेखन में तृतीय,ब्लॉक स्तरीय राजस्थान युवा महोत्सव-2023 में कला रत्न की उपाधि,सुभाष चन्द्र बोस लाइफ एंड लिगेसी इन द एज ऑफ अमृतलाल भाषण प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम,विश्वकर्मा गौरव पत्रिका द्वारा समाज रत्न उपाधि से सम्मानित।

जो मनुष्य अपने माता-पिता की सेवा करता है वह जीवन में हर समय उन्नति के मार्ग पर चलता रहता है: महा साध्वी विरक्त श्रीजी महाराज साहब

जयपुर. शाबाश इंडिया

जवाहर नगर के महावीर साधना केंद्र पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में मात-पिता के संतान के ऊपर किये हुए उपकारों का महाराज साहब ने चिंतन करवाया एवं संतान गौरव का भी चिंतन मनन करवाया मनुष्य अपने माता-पिता के उपकारों का कर्ज नहीं उतार सकता है लेकिन वहीं यदि अपने माता-पिता के उपकारों का चिंतन मनन करके उनकी सेवा करके ऋण मुक्त हो सकता है। इसी प्रकार माता-पिता भी अपनी संतान को आशीर्वाद देते हैं तो संतान भी उनके आशीर्वाद से जीवन में अग्रसर हो सकता है। संघ के अध्यक्ष उम्मेद मुसल इस कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार देवेंद्र सुरेंद्र ओसवाल ओसवाल सौंप वालों को को बहुत-बहुत धन्यवाद अर्पित किया। यह सभी कार्यक्रम महा साध्वी विरक्त श्रीजी महाराज साहब आदि णानाओं की निश्रा में हुआ महाराज साहब ने सभी आए हुए परिवारों को प्रवचन के माध्यम से समझाया की जो मनुष्य अपने माता-पिता की सेवा करता है वह जीवन में हर समय उन्नति के मार्ग पर चलता रहता है एवं उन पर आए हुए कष्ट को प्रभु महावीर के आशीर्वाद से सहन करने की शक्ति प्रदान करता है अंत में उपाध्यक्ष श्री विनोद जी संचेती ने सभी को धन्यवाद प्रेषित किया एवं समस्त ओसवाल परिवार को बहुत-बहुत संघ की तरफ से साधुवाद दिया

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

जो जितना ज्यादा दुःखी है वह पूर्व का उतना ही बड़ा पापी था

आगरा. शाबाश इंडिया

03 सितंबर दिन रविवार को आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन को संबोधित करते हुए कहा कि इस दुनिया में अपने विचारो से उन गलियों से गुजर रहे है जो इतनी सकरी है की निकलना भी मुश्किल हो जाता है। प्रकृति के बनाये हुए नियम हमारी छोटी सी भूले हमे न जाने किस स्तर पर ले जाती है। प्रकृति निरपराधी को सजा देती नही और अपराधी को छोड़ती नही। अग्नि सावधान वाले को कभी जलाती नही और जो सावधान नही है उसे बचाती नही। प्रकृति की गलती नही है, हमारी और आपकी उद्दंडता के कारण दंड की व्यवस्था बनानी पड़ी। जो जितना ज्यादा दुःखी है वह पूर्व का उतना ही बड़ा पापी था। कोई न कोई तुमने ऐसा कार्य किया है सामने मरीज तड़फ रहा था,तुम वो एक लाख रुपये लेकर घूमने जा रहे थे,तुम्हे मालूम था एक लाख रुपये से एक माँ निपूती होने से बच जाएगा लेकिन तुमने उसकी फिकर नही की, मरते रहते है ऐसे लोग तो हम तो घूमने जायेगे, उसी समय ऐसा कर्म बन्ध गया कि तुम्हारी जिंदगी में बीमारी तो आएगी लेकिन लाइलाज बीमारी आएगी क्योंकि तुमने उपेक्षा की। हर व्यक्ति से कहना चाहता हूँ कि कभी एक बार भी कोई भी मनोरंजन,कोई भी शौक किसी धर्म के कारण,मन्दिर के कारण छोड़ना है। तुम्हे ऐसा पुण्य बंधेगा तुम्हे कि संसार मे प्रलय आ जायेगो संसार मे भूखे एक एक दाने को मरेगे लेकिन तुम्हारे घर मे कल्पवृक्ष सदा फल देकर तुम्हारी रक्षा करेगा। अपने लिए कमाई हुई वस्तु दान में फलती है। धर्म दो तरह का होता है एक बीमारी को दूर करने का और एक बीमारी के बाद ताकत लाने का। अध्यात्म की एक गाथा में इतनी ताकत है कि कितना भी घोर उपसर्ग आ जाये वो डिगता नही है। सारे धर्मो में सर्वश्रेष्ठ धर्म, सर्वश्रेष्ठ ताकत है अध्यात्म। चारो अनुयोगों में सर्वश्रेष्ठ है द्रव्यानुयोग कलशा के समान। ताकतवान लेकिन इसे बीमार व्यक्ति न पीवे। गृहस्थी में रहकर के यदि असंयमदशा में यदि अध्यात्म रूप टॉनिक पी लिया तुम्हारा मरना निश्चित है तुम्हारी दुर्गति होना निश्चित है।अभिषेक को प्रक्षाल कहना बहुत बड़ा अपराध है, प्रक्षाल का अर्थ है गन्दगी की सफाई, वो गंधोदक नही हो सकता। मूर्ति को कपड़े से पोंछना ये मार्जन है, प्रक्षाल है, अभिषेक नही। अभिषेक वही कहलाता है जो मंत्र पूर्वक भगवान के ऊपर ढारा जाता है। महानुभाव जब जब तुम्हें दिगम्बर मुद्रा से घ्रणा होने लग जाये आचार्य कुन्दकुन्द स्वामी ने अष्टपाहुड ग्रन्थ में कहा है कि यथाजात मुद्रा को देखकर तुम्हारे अंदर यदि उपेक्षा भाव आ रहा है तुम्हे,समझ लेना चाहिए वो संयम का प्रतिपक्षी है और मिथ्यादृष्टि है। धर्मसभा का शुभारंभ जयपुर हाउस शैली की बालिकाओं ने

भक्ति गीत पर बहुत सुंदर नृत्य कर मंगलाचरण की प्रस्तुति के साथ किया । इसके बाद सौभाग्यशाली भक्तों ने संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया,साथ ही मुनिश्री को शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया । इस दौरान श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति,आगरा दिगंबर जैन परिषद एवं बाहर से आए हुए गुरुभक्तों ने गुरुदेव के चरणों में श्रीफल भेंट किया । धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया । धर्मसभा की व्यवस्था पत्तल गली शैली की महिला मंडल द्वारा संभाली गई। धर्मसभा में प्रदीप जैन पीएनसी, निर्मल मोठ्या, मनोज बाकलीवाल नीरज जैन जिनवाणी, पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा, जगदीश प्रसाद जैन, ललित जैन मुकेश जैन विटुमिन मीडिया प्रभारी आशीष जैन मोनू, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, राजेश सेठी, शैलेन्द्र जैन, राहुल जैन, विवेक बैनाड़ा, अमित जैन बॉबी,पंकज जैन, नरेश जैन,अनिल जैन शास्त्री, रूपेश जैन,के के जैन, सचिन जैन,दिलीप कुमार जैन,अंकेश जैन, सचिन जैन,पुष्पा बैनाड़ा,बीना बैनाड़ा, उमा मौठया,सोनल जैन, समस्त सकल जैन समाज आगरा के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्टः शुभम जैन, मीडिया प्रभारी**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति ने दुर्गापुरा गोशाला में गायों को हरा चारा, गुड, हरी सब्जी खिलाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के द्वितीय पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर 3 सित.23, रविवार को प्रातः 9 बजे सन्मति ग्रुप द्वारा दुर्गापुरा गोशाला में गायों को हरा चारा, गुड, तरबूज, लौकी आदि खिलाए गए। इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका, सयुक्त सचिव राजेश पाटनी, कार्यकारिणी सदस्य अशोक सेठी, आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश जैन, उपाध्यक्ष साकेत जैन आदि अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

श्री दिगंबर जैन मंदिर लश्कर के चुनाव निर्विरोध संपन्न

भागचंद साह अध्यक्ष तथा प्रदीप साह मंत्री निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर लश्कर तथा नसिया शयोजी गोधा के आगामी 7 वर्ष के लिए कार्यकारिणी के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी अमरचंद जैन पटौदी ने बताया कि 13 सदस्य कार्यकारिणी निर्वाचित किए गए जिनमें भागचंद साह अध्यक्ष तथा प्रदीप साह को मंत्री निर्वाचित किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में रमेश साह, शैलेंद्र साह, संदीप साह, डॉ सुशील कासलीवाल, यूति प्रकाश जैन, जिनेंद्र चांदवाड, कमल काला, महावीर प्रसाद साह, अजय कुमार साह, राजेंद्र साह, प्रवीण साह को चुना गया ।चुनाव प्रक्रिया में अनिल छाबड़ा, सलिल जैन , सुरेंद्र जैन ने सहयोग किया। दिनेश कुमार जैन एडवोकेट का भी विशेष सहयोग रहा ।राजेंद्र के शेखर, डॉ विनोद शाह, डॉक्टर डी के कासलीवाल, अरुण शाह तथा अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। निर्वाचन के पश्चात नव निर्वाचित मंत्री प्रदीप साह ने निर्विरोध व शांति पूर्वक चुनाव संपन्न होने पर सभी का विशेष रूप से चुनाव अधिकारी अमर चंद जैन व उनकी टीम का आभार व्यक्त किया। नई टीम ने कंधे से कंधा मिलाकर मंदिर जी और नसिया की व्यवस्था सुंदर बनाने की शपथ ली।

वीर ग्रुप द्वारा नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज दिनांक 3 सितम्बर 2023, रविवार को प्रातः काल 6 बजे से 8 बजे तक स्मृति वन, सीकर रोड़, जयपुर पर दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय स्व. प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर दि. जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन के आव्हान पर दि. जैन सोश्यल ग्रुप वीर जयपुर ने निःशुल्क जांच शिविर लगाया गया। वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज - रेखा जैन एवं सचिव पंकज - कशिश जैन ने बताया कि इस अवसर पर मात्र 2 घंटे में 107 मरीजों की निःशुल्क बी.पी, शुगर एवं बी.एम आई की जांच कर तुरंत ही व्हाट्सएप पर रिपोर्ट दी गयी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

हजारो श्रद्धालुओं ने लिया भाग मरूधर केसरी एवं रूपमुनि महाराज के जन्मजयंती समारोह में

गुणगान से मनाई गई भक्तो के भगवान और अहिंसा के पूजारी का जन्म जयंती समारोह चैन्नई मे...

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। अहिंसा के पुजारी और भक्तों के भगवान थे, पूज्य गुरूदेव मरूधर केसरी मिश्रीमल जी महाराज एवं लोकमान्य संत रूपचन्द जी महाराज। रविवार अयनावरम्-जैन दादाबाड़ी मे गुरू द्वय के जन्म जयंती गुणगान समारोह में महासती धर्मप्रभा ने गुरूद्वय के जीवन पर प्रकाश डालते कहा कि पूज्य गुरूदेव श्री का सम्पूर्ण जीवन एक जलती हुई मशाल था, एक ऐसी मशाल जो पूरे संघ और समाज का मार्ग प्रशस्त कर रही है ।वो एक दृढ़ संकल्पी, अटूट विश्वास के धनी, आत्म विश्वास से परिपूर्ण, दिन दुखियो के सच्चे हितेषी, जीवदया के प्रबल प्रेरक, संघठन हामी व श्रमणसंघ की ढ़ाल थे। उन्होंने श्रमणसंघ को एक सूत्र में पिरोने के लिए राजस्थान की धरा पर सात- सात बार साधू सम्मेलन करवाए। गुरूदेव ने सदैव जोड़ने में विश्वास किया तोड़ने में नहीं ।वचन सिध्द योगी थे। उनका मांगलिक भी इतना चमत्कारी था कि भक्तों के सब अटके काम बन जाते थे। गुरूदेव ने कभी भी अपने प्रांणो की परवाह न करतें हुए कई स्थानों पर धर्म के नाम दि जाने बली प्रथा को बंद करवाया और पशुओं को अभयदान दिलवाया ।गुरूदेव ने पंथ, संम्प्रदाय और मजहब के भेद भाव को कभी महत्व नहीं दिया। पीड़ित मानव की सेवा ही नहीं बल्कि मूक पशुओं की रक्षा केलिए 350 से अधिक गौशालाएं खुलवाई और लाखो पशुओं की जान बचाई । आज भी उन गौशालाओं मे गौ माता की सेवाऐ भक्तों के द्वारा की जा रही है। गुरूदेव मिश्रीमलजी एवं रूपमुनि जी अहिंसा के सच्चे पुजारी तो थे ही साथ ही मानव कल्याण के लिए अनेक जगहों पर हॉस्पिटल स्कूल कॉलेज एवं छात्रावास, कबूतर शालाएं आदि खुलवाये। पूज्य गुरूदेव श्री ने सभी संत मुनियों के सम्मेलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करतें हुए सभी सम्प्रदायो के संतो के आपसी मतभेदों और राग द्वेषो को अपनी सूझ बुझ से दूर करवाया और सभी संतो को एकता के सूत्र में बांधकर श्रमणसंघ को मजबूत बनवाने मे सम्मेलन सहयोग प्रदान किया। मानवता के मसीहा अहिंसा के पुजारी पूज्य गुरूदेवों का जीवन संयम साधना को समर्पित रहा। गुरूदेव छत्तीस कौम के भगवान थे। संत हो या श्रावक या राजनेता जो भी अपनी समस्याएं गुरूदेव के पास लेकर आते और वापसी हंसते - हंसते गुरूदेव से विदा हो जाया करते थे। गरीब हो या अमीर गुरूदेव ने कभी किसी के साथ भी भेद भाव नहीं किया। गुरूदेव बताये गये धर्म के मार्ग पर हम चलेंगे तो हमारे जीवन के सारे संकट दूर हो जाएंगे ।साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि गुरूद्वय एक संत रूपी मणिमाला की एक दिव्यमणि श्रमण संघ की ढ़ाल, श्रमणसंघ के प्रांण, जन-जन के आश्रय दाता, श्रध्दा के केन्द्र, संघठन के अगुवा संत, मानव समाज के मसीहा, जन-जन के प्रति कल्याण की भावना को दिल में संजोकर रखने वाली प्रवित्र आत्मा थे। गुरूदेव एक ऐसे संत थे जिनके सर पर कोई ताज न होते हुए भी सभी के सिरताज थें। निर्बलों की शक्ति व मानवता की आवाज थें। गुरूदेव के जीवन की विशेषता यह थी कि वे किसी संघ व समाज से बंधकर नहीं रहें बल्कि छत्तीस कौम के पूज्यनीय आदरणीय थे। एक निडर निर्भीक, स्पष्टवक्ता संत रत्न थे। उन्होंने निन्दा, अपमान से डरना नहीं सीखा। उनके इरादें व्रज के समान मजबूत थे। उन्होंने समाज समाज में फैली हुई बुराइयों कुरीतियों व कुव्यसनों का खुल कर विरोध किया वे दूर द्रष्टा संत थे। पुरूषावाक्कम से पधारी महासती चैतन्या श्री ने फरमाया मिश्री एवं रूप गुरू के रग-रग में करूणा व दया की भावना समाई हुई थी। छोटा हो या बड़ा गुरूदेव ने किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। सभी के प्रति गुरूदेव प्रेम और वात्सल्य से बात किया करतें थे। गुरूदेव श्रावकों से कहा करते थे जीवन मे काम करते जाओ स्वतः ही तुम्हारा नाम हो जाएगा। गुरूदेव ने जीवन मे कभी हार नहीं मानी अपनी अंतिम सांस तक समाज और जीवों की रक्षा केलिए काम करते रहे। गुरूदेवों की साधना इतनी प्रबल थी आज भी गुरूदेव का नाम लेने मात्र पर सभी भक्तो के बिगड़े काम हो जाते है ।हम ऐसे गुरूदेवो का जितना गुणगान किया जाए वो कम है ।श्री संघ साहूकार पेठ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने बताया कि समारोह प्रांरभ मे मंगलाचरण जय संस्कार महिला मंडल और जैन संस्कार महिला शाखा की बहनो द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सम्पूर्ण समारोह के लाभार्थी एम.अजितराज कोठारी एन. राकेश कोठारी और जन्मोत्सव समारोह के मुख्य अतिथियों मे समाज सेवी गुरू भक्त अगरचन्द चौरड़िया, उद्योगपति गौभक्त दीप चन्द लूणिया, जैतारण मरूधर केसरी पावनधाम के चैयरमेन मोहनलाल गडवाणी, एवं साहूकार पेठ के चैयरमैन उत्तमचन्द श्रीश्रीमाल महामंत्री सज्जनराज सुराणा, उपाध्यक्ष हस्तीमल खटोड़, पदमचंद ललवानी, सुरेश डूगरवाल, शांतिलाल दरडा, देवराज लुणावत, जितेन्द्र भंडारी, बादलचन्द कोठारी, रमेश दरडा, महावीर कोठारी, सुभाष काकलिया, अशोक कांकरिया शम्भूसिंह कावड़िया, अशोक सिसोदिया, संजय खाबिया, ज्ञानचन्द चौरड़िया, कमल खाबिया, तारेश बेताला, राजेश चौरड़िया, भरत नाहर आदि सभी ने लाभार्थी कोठारी के साथ श्रीमरूधर केसरी दरबार का उद्घाटन एवं जैन ध्वज लहराकर जन्मोत्सव समोरोह को गति प्रदान की।

राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा तीन दिवसीय सेवा कार्य का आगाज दिव्यांग बच्चों को भोजन कराकर किया

आज 4 सितंबर को होगा 48 दीपकों से भक्तामर अनुष्ठान

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल की पुण्य स्मरण दिवस के अवसर पर फेडरेशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा आज निर्मल विहार विशेष स्कूल में मानसिक रूप से विकलांग बच्चों को भोजन कराया गया। राजेश बड़जात्या रीजन अध्यक्ष ने बताया कि इस अवसर पर राजस्थान रीजन जयपुर के अनिल कुमार जैन आई पी एस, रीजन संस्थापक अध्यक्ष, सुरेन्द्र कुमार पाण्डया रीजन परामर्शक ,यश कमल अजमेरा रीजन निवर्तमान अध्यक्ष , अतुल बिलाला रीजन पूर्व अध्यक्ष, सुनील कुमार बज रीजन कार्याध्यक्ष, सरला संघी, सीमा बड़जात्या की उपस्थिति रही । आज बच्चों के भोजन के पुण्यार्जक श्रेष्ठी सुरेंद्र पांड्या तथा बच्चों को मिठाई श्रेष्ठी यश कमल अजमेरा के द्वारा खिलाई गई । निर्मल संघी रीजन महासचिव ने सभी का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया ।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ, जयपुर द्वारा गो सेवा कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष जैनरत्न श्रद्धेय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल की तृतीय पुण्यतिथि पर तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम दिवस 3 सितंबर 2023 को दिगंबर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ, जयपुर द्वारा जयपुर स्थित पिंजरपोल गौशाला, सांगानेर पर गायों को हरा चारा खिलाया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संरक्षक प्रदीप छाबड़ा, अध्यक्ष कैलाश बिंदायक्या, कोषाध्यक्ष रोशन लाल जैन, संयुक्त मंत्री संतोष लुहडिया तथा दिलीप पांड्या एवं कमल चंद लुहडिया की विशेष उपस्थिति रही। फेडरेशन की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की।

अधर्म,पाप कार्यों से दूर रहना चाहिए : आचार्य विवेक सागर

नैनवां की बालिकाओ ने दी भक्ति नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति। 48 दिवसीय भव्य आयोजन का सोमवार को होगा समापन

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। आचार्य विवेक सागर महाराज ने कहा कि धर्म के बिना नर जीवन की सार्थकता नहीं है, प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधर्म,पाप कार्यों से दूर रहना चाहिए। आचार्य महाराज ने कहा कि हमें धार्मिक कार्यों के लिए अपना समय निकालना चाहिए, धार्मिक क्रियाएं करने का एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि मेरी कषाय कम हो, मेरे कदम पाप कार्यों की ओर न बढें,मेरे कदम व्यसनों की ओर न बढ़ें, तभी धार्मिक क्रियाएं करना सार्थक है।इससे पूर्व 48 दिवसीय भक्तामर स्तोत्र आयोजन में मंगल कलश स्थापना एवं मांगलिक क्रियाए प्रेमचंद - अनिल पहाड़िया परिवार ने सम्पन्न की।

नैनवां की बालिकाओ ने दी भक्ति नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति: पदम चन्द सोगानी ने बताया प्रात आयोजन में नैनवां से पधारी विवेक सागर पाठशाला की नन्ही बालिकाओं ने भक्ति नृत्यमय मंगलाचरण की सुन्दर प्रस्तुति दी इनका समिति के अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल, नितिन दोसी,विनय पाटनी, लोकेश ढिलवारी ने अभिनन्दन पत्र देकर स्वागत किया

हैं वन्दनीय वे हम सब को

बने रहे वे नींव के पत्थर,
हमें शिखर सुख तक लाये,
कोटि नमन सब गुरुवर मेरे,
यश, सुख वैभव दिलवाये।
सारा ज्ञान समर्पित होकर,
दिया, बढ़ाया नित आगे,
सीमित संसाधन में रहकर,
हमें पढ़ाया नित आके।
अब भी छोटे घर,आंगन उनके,
कोठी, कार हमारी है,
फिर भी व्याकुल,आकुल न वो,
गुरुवर की बलिहारी है।
कितने शीर्षपद,गरिमा वाले,
आकर वंदन करते हैं,
चरणों की रज लेते हर्ष से,
और अभिनन्दन करते हैं।
शिक्षक दिवस पर शीश नवाते,
अपने सब गुरुवर जन को,
मात, पिता, व प्रभु जी जैसे,
हैं वन्दनीय वे हम सबको।

इंजिनियर अरुण कुमार जैन.
भोपाल, ललितपुर, फरीदाबाद.
7999469175

गुरु अभिनन्दनम् कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमित गोधा. शाबाश छबड़ा

जिले के कॉमर्स के गुरुजनों का हुआ अभिनन्दन। सीएमए कोर्स से सम्बन्धित जानकारी गुरुजनों को दी गयी

ब्यावर। भारतीय संसद के विशेष कानून द्वारा स्थापित भारतीय लागत लेखाकर संस्थान के ब्यावर चैप्टर द्वारा रविवार दिनांक 3 सितम्बर को ब्यावर के संत पॉल विद्यालय के प्रांगन में ''गुरु अभिनन्दनम्'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के ब्यावर चैप्टर के वाइस चेयरमैन सीएमए अंकुर सिंघल ने बताया कि टीचर्स डे के शुभ अवसर पर सम्पूर्ण ब्यावर जिले के कॉमर्स के अध्यापको, प्राचार्यो, अन्य सेवाएं देने वाले अध्यापको का अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ सरस्वती वंदना से शुरू हुई। उसके पश्चात बाहर से पधारे हुवे संस्थान की केंद्रीय परिषद के सदस्य सीएमए नवनीत जैन, सीएमए एम. के. आनंद, सीएमए राजेंद्र भाटी और उत्तर क्षेत्रीय परिषद के चेयरमैन सीएमए एस.एन. मित्तल, सीएमए संतोष पंत, सीएमए राकेश यादव का ब्यावर चैप्टर के सदस्यों द्वारा माल्यार्पण और पौधा देकर अभिनन्दन किया गया। अपने स्वागत उद्बोधन में ब्यावर चैप्टर के चेयरमैन सीएमए मितेश चोपडा ने

बताया कि हम आज जहाँ भी पहुँचे है उसमे सर्वाधिक योगदान माता - पिता के पश्चात गुरुजनो का ही है, अभिनन्दन द्वारा गुरु का ऋण तो नहीं चुकाया जा सकता केवल गुरुजनो का आशीर्वाद लिया जा सकता है। उन्होंने बताया आज सीएमए देश-विदेश में भारत का नाम रोशन कर रहा है, भारतीय रिजर्व बैंक, सरकारी कंपनियों में विभिन्न डायरेक्टर, सीईओ, सीएफओ आदि उच्च पदो पर सीएमए अपना परचम लहरा रहा है। स्वागत भाषण के पश्चात जयपुर चैप्टर के चेयरमैन सीएमए हरेंद्र पारीक ने सीएमए कोर्स के बारे में सभी अध्यापको, गुरुजनो को बताया और भविष्य में कॉमर्स के क्षेत्र के इस विकल्प की विस्तृत जानकारी सभी को प्रदान की। इसके पश्चात उपस्थित सभी गुरुजनो का मोमेंटो और माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया गया और आशीर्वाद लिया गया। मंच संचालन ब्यावर चैप्टर की पूर्व चेयरपर्सन सीएमए ज्योति सारदा ने किया। संस्थान के ब्यावर चैप्टर के कोषाध्यक्ष सीएमए रुपेश कोठारी ने बताया कि इस अवसर पर बाहर से पधारे हुवे कौंसिल मेंबर्स ने भी अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया जिसमे उन्होंने कॉस्ट अकाउंटेंसी की महत्ता, जॉब की उपलब्धता, भविष्य के बारे में विशेष जानकारी दी।